Roll No.....
Signature of Invigilator .....

Paper Code

MV-405

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali
Examination May-June-2023
एम. ए. व्याकरण, चतुर्थसत्रम्
संस्कृतसाहित्यम्

Time : 3 Hours **Max. Marks : 70**

नोटः यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड -क)

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'क' में विकल्पसहित 3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3 x15 =45)**

1. संन्यासविषये वेदप्रमाणानि दत्त्वा कर्त्तव्याकर्त्तव्यविषये वर्णयन्तु।

2. वेदोक्तधर्मविषये संक्षेपतः वर्णयन्तु।

3. वैराग्यमार्ताण्डेत्येतस्मिन्, पुस्तके दोषाणां वर्णनं प्रसङ्गार्थपुरस्सरं कुर्वन्तु।

4. षोडशकलाविशिष्टपुरुषस्य विषये प्रसंगपूर्वकं मन्त्रान्लिखित्वा वर्णयन्तु।

5. छान्दोग्योपनिषदि षष्ठप्रपाठकस्य (षष्ठाध्यायस्य) सारो लेखनीयः।

(खण्ड-ख)

(लघु- उत्तरीय प्रश्न)

नोटः खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5 x5 =25)

6. संन्यासविषये ''...ज्योतिरहं विरजा विपाप्मा भूयासं स्वाहा'' इत्येते मंत्रा लिखन्तु। (केचन पञ्चमन्त्राः)

7. संन्यासविषये मनुस्मृतेः केचन त्रयः श्लोका अर्थ पुरस्परं वर्णयन्तु।

8. अर्थं लिखन्तु-

''दृते दृहं मा मित्रस्य मा चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्।
मित्रस्याहं चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षे, मित्रस्य चक्षुसा समीक्षामहे॥''

तथा च

''सत्यमेव देवा अनृतं मनुष्याः। एतद्ध वै देवा व्रतं चरन्ति यत्सत्यम्॥''

9. वेदोक्त धर्मविषये तैत्तिरीयशाखायाः प्रमाणं किम् ? (मंत्रपूर्वकं व्याख्यां कुरू)

10. ''येनाश्रुतं श्रुतं भवत्यमतं मतमविज्ञातं विज्ञातमिति। कथं नु भगवः स आदेशो भवतीति।'' उत्तरं वर्णयन्तु।

11. अहन्यहनि सत्सम्पद्य, न विदुः सत्सम्पन्नाः स्म इति तत्कस्मात्? (मधुकरमक्षिका - इत्यादयः)

12. अर्थं लिखन्तु -

ध्यानपूते ज्ञानजले रागद्वेषमलापहे। यः स्नाति मानसे तीर्थे स याति परमां गतिम्॥

तथा च

आत्मा शुद्धः सदा नित्यः सुखरूपः स्वयंप्रभः।
अज्ञानान्मलिनो भाति ज्ञानाच्छुद्धो भवत्यथम्॥

----------x----------